List of New Course(s) Introduced

Department : *Hindi*

Program Name : *M.A. (Hons.) Hindi*

Academic Year : 2021-22

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
01.	HIPATT1	भक्ति–काव्य
02.	HIPATT2	हिंदी निबंध
03.	HIPATT3	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)
04.	HIPATT4	भारतीय भाषाओं की कहानियाँ
05.	HIPATO1	हिंदी भाषा
06.	HIPBTT1	कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)
07.	HIPBTT2	रीतिकाव्य
08.	HIPBTD1	1. हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल
09.	HIPBTD2	2. भाषा विज्ञान
10.	HIPBTO1	आधार पाठ्यक्रम हिंदी भाषा

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature & Seal of HoD

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

सत्र : 2021-22 एवं क्रमशः हेतु
संचालित पाठ्यक्रम
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के चयन आधारित स्तरीय प्रणाली
(Choice Based Credit System)
की सत्रीय व्यवस्था युक्त

20.10.2021
अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

2

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
हिंदी विभाग
(कला अध्ययनशाला)

अध्ययनमण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 28/10/2021 को हिन्दी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमण्डल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यथारूप में लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

अध्ययमंडल के सदस्यगण			हस्ताक्षर
01	प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह - आचार्य, विभागाध्यक्ष : हिंदी विभाग, एवं अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	अध्यक्ष	[signature] 28-10-2021
(2)	प्रो. खेम सिंह डहेरिया - प्राध्यापक, हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) एवं मा. कुलपति (अटलबिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल) (मान. कुलपतिजी द्वारा नामित सदस्य)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थित के साथ अनुमोदित
(3)	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक हिंदी विभाग,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	सदस्य	[signature]
(4)	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	[signature]
(5)	श्री मुरली मनोहर सिंह - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	[signature]

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
पाठ्यक्रम परिचय	04
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (CBCS)	09 TO 31

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

पाठ्यक्रम परिचय

आज के युग में, जबकि मनुष्य की तमाम भौतिक या आत्मिक उपलब्धियों का महत्व इस बात पर निर्भर करने लगा है कि बाजार में उसकी उपयोगिता क्या और कितनी है। बाजार आज एक सर्वजेता, सर्वनियंता कारक शक्ति बन बैठा है। वह अपनी जरूरतों के लिए जितना निरंकुश है, उतना ही निर्मम भी। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पाठ्यक्रमों पर भी दिखाई देने लगा है। परम्परागत ढंग से पढ़े और पढ़ाये जा रहे मानविकी के तमाम विषय बाजार के इस मानदंड पर खरे नहीं उतर पाने के कारण एक-एक कर परिदृश्य से ओझल होते जा रहे हैं। हमेशा से साहित्य का सरोकार सिर्फ अपना वर्तमान ही नहीं रहा है, सुदूर इतिहास और भविष्य पर एक साथ टिकी साहित्य की दृष्टि मनुष्य की गरिमा का गान और उद्घोष करती आ रही है। मुक्तिबोध के शब्दों में कविता काल यात्री की तरह होती है। आगमिष्यति की गहन और गंभीर छाया लिए हुए वह जन चरित्री भी होती है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के हिंदी विभाग का यह पाठ्यक्रम साहित्य के इसी परिदृश्य से परिचित कराने का प्रयास है। यह जानते हुए कि पाठ्यक्रमों की एक सीमा होती है, विद्यार्थियों को अपने वर्तमान की चुनौतियों से भी रूबरू होना पड़ रहा है। हमने भरसक प्रयास किया है कि हिंदी के इस पाठ्यक्रम को वर्तमान सामाजिक सन्दर्भों से जोड़ते हुए इसके बाजार की नई-नई संभावनाओं को भी उद्घाटित किया जा सके। एक संस्कारित और सक्षम व्यक्तित्व के निर्माण में हिंदी साहित्य का महत्त्व वर्तमान के साथ-साथ नये भारत का भविष्य गढ़ने में भी समर्थ और संभावनाशील है।

आज अनिवार्य रूप से हिंदी बाजार की भाषा होती जा रही है, जबकि परम्परागत हिंदी का अपना बाजार नहीं के बराबर रह गया है। फिल्म, स्क्रिप्ट राइटिंग, पत्रकारिता, विज्ञापन आदि ढेर सारी चीजें आज के बाजार की अनिवार्य विवशताएं हैं। सूचना क्रांति के दौर में हिंदी व हिंदीतर साहित्य को कैसे पढ़ा जाए? इसे ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। मौलिक होना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसकी सार्थकता अनुकरणीय होने में ही है। हमें विश्वास है, कि हिंदी साहित्य और उसके समानांतर हिंदीतर भारतीय साहित्य में जो कुछ लिखा जा चुका है, उसका चयन और संयोजन अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद इस पाठ्यक्रम में मौलिक भी है, और अनुकरणीय भी।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	प्रश्न पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	Core	भक्ति-काव्य HIPATT1	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)
2	Core	हिंदी निबंध HIPATT2	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)
3	Core	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल) HIPATT3	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)
4	Core	भारतीय भाषाओं की कहानियाँ HIPATT4	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)
5	Open Elective	हिंदी भाषा HIPAT01	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)
टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम				20
टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम				25
प्रति सप्ताह कुल घंटे				22

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्न पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	Core	कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक) HIPBTT1	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)= 05
2	Core	रीतिकाव्य HIPBTT2	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)= 05
3	Soft Core Eelective Internal choice	1. हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल HIPBTD1 अथवा 2. भाषा विज्ञान HIPBTD2	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)= 05
4	Open Eelective	आधार पाठ्यक्रम हिंदी भाषा HIPBTO1	100/40 (Grade: O/P)	(4+1)= 05
टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम				10
टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम				10
प्रति सप्ताह कुल घंटे				20

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

तृतीय सेमेस्टर

क्र.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	Core	आदिकालीन काव्य HIPCTT1	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
2	Core	आधुनिक काव्य HIPCTT2	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
3	Soft Core Elective Internal Choice	1. आधुनिक विमर्श HIPCTD1 अथवा 2. प्रयोजनमूलक हिंदी HIPCTD2	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
4	Soft Core Elective Internal Choice	1. जनसंचार माध्यम HIPCTD3 अथवा 2. हिंदी सिनेमा HIPCTD4	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
5. Other if any	साहित्य वार्ता HIPCLS1			02
टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम				20
टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम				02
प्रति सप्ताह कुल घंटे				22

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	Core	छायावादोत्तर काव्य HIPDTT1	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
2	Soft core elective Internal choice	1. काव्यशास्त्र HIPDTD1 अथवा 2. लोक-साहित्य HIPDTD2	100/40 (Grade: O/P)	4+1=5
3	Research methodology	शोध प्रविधि HIPDTT2	100/40 (Grade: O/P)	02
4.	Dissertation/Project Followed by seminar 01	HIPDLD1	100/40 (Grade: O/P)	06
टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम				18
टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम				00
प्रति सप्ताह कुल घंटे				18

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न-पत्र

भक्ति-काव्य

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATT1

भक्ति काव्य का अध्ययन मध्ययुगीन भारतीय समाज के भीतर प्रवाहित हो रही लोकजागरण की उस सामाजिक चेतना का अध्ययन है, जिसकी भित्ति पर आधुनिक भारत में जनतांत्रिक वैज्ञानिक चेतना का विकास हुआ है।

कबीर :

- रहना नहिं देस बिराना है
- बहुरि नहिं आवना या देस
- बांगड़ देस लुवन का घर है
- साधो, देखो जग बौराना
- झीनी-झीनी बीनी चदरिया
- हमन हैं इश्क मस्ताना

मलिक मोहम्मद जायसी :

- पद्मावत (बारहमासा)

मीरा :

- नहिं सुख भावै, थारो देसलड़ो रंगरूड़ो
- सिसोदण्यो रूठयो तो म्हारो काई करलेसी
- आज अनारी ले गयो सारी, बैठी कदम की डारी

रसखान :

- मानुष हौं तो वही रसखान
- सेष, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं
- ब्रह्म में ढूँढयो पुरानन-गानन

सूरदास :

- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- निरखत अंक स्याम सुंदर के बारबार लावति छाती
- ऊधो, मन माने की बात
- मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै
- अति मलिन वृषभानु कुमारी

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (C.G.) / Bilaspur (C.G.)

तुलसीदास (कवितावली) :

- धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ
- किसबी, किसान-कुल बनिक, भिखारी भाट
- खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
- मेरे जाति-पाँति न चहौ काहू की जाति-पाँति
- जागैं जोगी-जंगम, जती-जमाती ध्यान धरैं

हिंदीतर :

- दिव्य प्रबंध : आलवार (अनुदित) : तिरुविरुत्तम

सहायक ग्रंथ :

1. 'कबीर' : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'कबीर ग्रंथावली' : (सं.) श्यामसुंदर दास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'दूसरी परम्परा की खोज' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य' : मैनेजर पाण्डेय : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य' : शिवकुमार मिश्र : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'मीरा का काव्य' : विश्वनाथ त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'जायसी ग्रंथावली' : आ. रामचंद्र शुक्ल (सं.) : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'जायसी : विजयदेव नारायण साही' : हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
9. 'त्रिवेणी' : आ. रामचंद्र शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. 'लोकजागरण और हिंदी साहित्य' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. 'दिव्य प्रबंध' : (सं.) रामसिंह तोमर, विश्वभारती शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न-पत्र

हिंदी निबंध

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATT2

1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की अनुगूँज हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे गए निबंधों में और साहित्य की दूसरी विधाओं में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सुनाई देने लगा है। इसका अध्ययन मूलतः स्वतंत्रता संघर्ष के विकास का भी अध्ययन है।

- बालमुकुन्द गुप्त :- शिवशम्भू के चिट्ठे
- भारतेंदु हरिश्चंद्र :- स्वर्ग लोक में विचार सभा का अधिवेशन
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल :- मानस की धर्म भूमि
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी :- अशोक के फूल
- रामविलास शर्मा :- अट्ठावन : नारियल वाली गली
- मुक्तिबोध :- भक्ति आंदोलन : एक पहलू
- नामवर सिंह :- केवल जलती मशाल
- विद्यानिवास मिश्र :- शेफाली झर रही है

- **हिंदीतर :**
- ज्योतिबा फुले :- गुलामगिरी
- श्यामा चरण दुबे :- इतिहास-बोध
- एम. एन. श्रीनिवास :- संस्कृतीकरण

सहायक ग्रंथ :

1. निराला की साहित्य साधना : भाग -1 एवं 2 : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. चिंतामणि, भाग -1 : आ. रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. समीक्षा की समस्याएं : गजानन माधव मुक्तिबोध : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. गुलामगिरी : ज्योतिबा फुले : फारवर्ड प्रेस, नई दिल्ली।
7. समय और संस्कृति : श्यामा चरण दुबे : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन : एम. एन. श्रीनिवास : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न-पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATT3

किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है। हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।

प्रथम इकाई

हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएं- सिद्ध, नाथ एवं जैन, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली (वंशी माधुरी : i. नंदक नंदन, ii. सुन रसिया, रूप वर्णन : iii. सैसव जोवन, iv. खने-खने नयन, विरह वर्णन : v. मधुपुर मोहन गेल, vi. अंकुर तपन ताप)।

द्वितीय इकाई

भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति आंदोलन और हिंदी प्रदेश।

तृतीय इकाई

भक्ति काल की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख निर्गुण संत कवि, प्रमुख सगुण भक्त कवि, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएं।

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल की ऐतिहासिक, सामाजिक पृष्ठभूमि, प्रमुख रीति कवि, रीति काव्य की सामान्य विशेषताएं।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. साहित्यिक निबंध : गणपतिचन्द्र गुप्त : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (C.G.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

भारतीय भाषाओं की कहानियाँ

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATT4

साहित्य में यथार्थवाद के विकास की विभिन्न मंजिलों को समझने के लिए हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के कथा साहित्य का अध्ययन उस सामाजिक यथार्थ का अध्ययन है जिसको आधार बनाकर स्वतंत्रता पूर्व औपनिवेशिक भारत के स्वरूप और स्वातंत्र्योत्तर भारत में अनौपनिवेशीकरण की प्रक्रिया का समाजशास्त्रीय अध्ययन सम्भव है।

❖ बांग्ला	: तारांशकर बंधोपाध्याय	:	अभागों का स्वर
❖ असमी	: इंदिरा गोस्वामी	:	पुत्र कामना
❖ उर्दू	: मंटो	:	टोबा टेक सिंह
❖ कन्नड़	: यू. आर. अनंतमूर्ति	:	माँ
❖ उड़िया	: लक्ष्मीकांत महापात्रा	:	बूढ़ा मनिहार
❖ मराठी	: शंकर पाटील	:	रोटी का स्वाद
❖ हिंदी	: प्रेमचंद	:	मुक्ति मार्ग
	: हरिशंकर परसाई	:	भोलाराम का जीव
❖ पंजाबी	: करतार सिंह दुग्गल	:	अपरिचित परिचित चेहरा
❖ तमिल	: आर. चूड़ामणि	:	डॉक्टरनी का कमरा
❖ मलयालम	: तकषी शिवशंकर पिल्लै	:	तहसीलदार के पिता

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ, भाग : 1 एवं 2 : (सं.) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. विवेक के रंग : देवीशंकर अवस्थी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश : लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी कहानी का समकाल : अंकित नरवाल : आधार प्रकाशन पंचकूला।
8. कहानी : विचारधारा और यथार्थ : वैभव सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. नई सदी का पंचतंत्र : उदय प्रकाश : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर

वैकल्पिक /स्वाध्याय पाठ्यक्रम/कौशल विकास

OPEN Elective

प्रश्न पत्र : हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATL1

आधार पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किये गए इस प्रश्नपत्र के माध्यम से हम विद्यार्थियों में हिंदी के सर्जनात्मक साहित्य के साथ-साथ उसके कलारूपों की सामान्य समझ विकसित कर सकेंगे।

- रस, अलंकार, शब्द शक्ति
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, सम्प्रेषण तकनीक

साहित्य की विधाएँ

कहानियां :

I. पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद

II. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

कविताएँ :

I. जौहर (आरंभिक अंश-वंदना) : श्याम नारायण पाण्डेय

II. कामायनी (चिंता सर्ग) : जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. सामान्य हिंदी : ओमकारनाथ शर्मा : अरिहंत प्रकाशन
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी कविता : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न-पत्र

कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)

पाठ्यक्रम संख्या : HIPBTT1

आधुनिक भारत के सौ सालों की सामाजिक, राजनीतिक स्थितियों-परिस्थितियों, समाज की छोटी इकाई के रूप में परिवारों की संरचना में आ रहे बदलावों, उसके यथार्थ का अध्ययन करने के लिए इस प्रश्न पत्र का विशेष महत्त्व है।

- भारतेंदु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी
- जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी
- धर्मवीर भारती : अंधा युग
- मोहन राकेश : आधे अधूरे
- हबीब तनवीर : चरणदास चोर
- शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य
- प्रेमचंद : गोदान
- फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
- भीष्म साहनी : तमस

सहायक ग्रंथ :

1. 'रंगमंच की कहानी' : देवेन्द्र राज अंकुर : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच' : नेमिचन्द जैन : मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. 'रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र' : देवेन्द्र राज अंकुर : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी नाटक के सौ बरस' : अजित पुष्कल : शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
5. 'हिंदी नाटकों का आत्मसंघर्ष' : गिरीश रस्तोगी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता' : वीरेंद्र यादव : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'परम्परा का मूल्यांकन' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा' : रामदरश मिश्र : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. 'उपन्यास की भारतीयता और हिंदी आलोचना' : शम्भुनाथ मिश्र : ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न-पत्र

रीतिकाव्य

पाठ्यक्रम संख्या : HIPBTT2

उत्तर मध्ययुग की इस प्रमुख काव्यधारा का अध्ययन इस दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है यहां समाज के उच्चवर्ग की क्षयिष्णु और कुलीन अभिरुचियों के समानांतर उस जनकाव्य की धारा का स्रोत मिलना शुरू हो गया था, कालांतर में जिसका विकास आधुनिक युग के साहित्य की अलग-अलग विधाओं में एक साथ हो रहा था।

बिहारी

- छुटी न सिसुता की झलक
- कुटिल अलक छुटि परत
- निसि अंधियारी नील पर
- बतरस लालच लाल की
- कहत नटत रीझत खिझत
- पत्रा ही तिथि पाइए
- इत आवति चलि जात
- छकि रसाल सौरभ सने
- सघन कुंज छाया सुखद
- चुवत स्वेद मकरंद कन
- पट पांखै भखु

देव

- धार में धाई धँसी
- लोग लुगाइन होरी लगाई
- सांझ ही स्याम को लैन गई
- माखन सो मन दूध सो जोबन है
- आइहौं देखि बधू इक देव सो

आलम

- जा थल कीन्हें विहार अनेकन
- सित रितु भीत भई
- लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि
- आइ सीरी साँझ भीर गैयाँ दौरी आई घर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

घनानंद

- पहिले अपनाय सुजान सनेह सों
- रावरे रूप की रीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारगु हैं
- हीन भय जल मीन अधीन
- चंद चकोर की चाह करै

केशव

- रामचंद्रिका : पंचवटी (वन वर्णन)

नजीर अकबराबादी

- श्री कृष्ण का बालपन
- आदमीनामा
  - दुनिया में बादशाह है सो है वह आदमी
  - यां आदमी ही नार है और आदमी ही नूर
  - मस्जिद भी आदमी ने बनाई है
  - बैठे हैं आदमी ही दुकानें लगा लगा
  - मरने पै आदमी ही कफ़न करते हैं तैयार

सहायक ग्रंथ :

1. 'रीतिकाव्य की भूमिका' : डॉ. नगेन्द्र : नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली।
2. 'हिंदी साहित्य का इतिहास' : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'हिंदी साहित्य का अतीत', भाग – 1 एवं 2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास' : बच्चन सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नजीर अकबराबादी और उनकी शायरी' : प्रकाश पंडित : राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. 'दीवान –ए –मीर' : सं. अली सरदार जाफ़री : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'उर्दू आलोचना के शिखर पुरुष' : शम्सुर्रहमान फारूकी : भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. 'उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' : सैय्यद एहतेशाम हुसैन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. 'बिहारी का नया मूल्याँकन' : डॉ. बच्चन सिंह : हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
पाठ्यक्रम संख्या : HIPBTD1

हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है। प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।

प्रथम इकाई
आधुनिकता की अवधारणा, हिंदी गद्य एवं आधुनिकता का अंतर्संबंध, हिंदी-उर्दू विवाद, खड़ी बोली के विकास की पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई
नवजागरण की संकल्पना और हिंदी नवजागरण, हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा, हिंदी की जातीय चेतना के विकास में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई
भारतेंदु मंडल, भारतेंदु युगीन प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, भारतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विभिन्न गद्य विधाओं का उदय और विकास, द्विवेदी युग : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक परिस्थितियां, हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

चतुर्थ इकाई
प्रेमचंद युग, छायावाद, प्रसाद युग, प्रगतिशील साहित्य की प्रवृतियां, समकालीन साहित्य।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
2. भारतेंदु युग और हिंदी गद्य की विकास परंपरा : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय हिंदू एवं द्विवेदी युगीन भाषा चिंतन और पंडित गोविंद नारायण मिश्र : डॉ. जया सिंह : जयभारती प्रकाशन, लखनऊ
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली' : अमरनाथ : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)
भाषा विज्ञान
पाठ्यक्रम संख्या : HIPBTD2

भाषा एक सामाजिक और अर्जित संपत्ति है। भाषा के विकास में सामाजिक विकास एक मुख्य कारक होता है। ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन आदि भाषा के नाना रूपों में होने वाले परिवर्तनों के मूल में सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारण होते हैं। बोलियों के सामाजिक साहित्यिक योगदान में राजनीति आदि की भूमिका उसके स्वरूप का व्यापक अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।

प्रथम इकाई

भाषा की परिभाषा, तत्व, अंग और विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास

द्वितीय इकाई

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, सस्वन, स्वनिम, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,
रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप, संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण

तृतीय इकाई

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य रचना, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,
अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

चतुर्थ इकाई

हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि: वैज्ञानिकता और विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

सहायक ग्रंथ :

1. 'हिंदी भाषा' : हरदेव बाहरी : अभिव्यक्ति पब्लिकेशन, जोधपुर।
2. 'भाषा विज्ञान' : भोलानाथ तिवारी : किताब महल, इलाहाबाद।
3. 'भाषा विज्ञान की भूमिका' : देवेंद्र नाथ शर्मा : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. 'हिंदी शब्द अनुशासन' : किशोरी दास वाजपेई : नगरी प्रचारिणी सभा, काशी।
5. 'भारत की भाषा समस्या' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'हिंदी व्याकरण' : कामता प्रसाद गुरु : पराग प्रकाशन, दिल्ली।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (C.G.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

Open Elective

हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम संख्या : HIPBTO1

हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो। इसे ही ध्यान में रखकर यह आधार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

- हिंदी की व्युत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएं
- हिंदी की बोलियाँ, वर्गीकरण क्षेत्र
- देवनागरी लिपी का विकास और मानकीकरण
- राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

साहित्य खंड :

कहानियां :
- भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
- टोबा टेकसिंह : मंटो

उपन्यास :
- रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

कविताएँ :
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र
- भागी हुई लड़कियां : आलोकधन्वा

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद : भारती भवन प्रकाशन।
2. सामान्य हिंदी एवं संक्षिप्त व्याकरण : ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह : यूनिकॉर्न बुक्स नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. 'कहानी : नयी कहानी' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
7. 'भाषा और समाज' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'शब्दानुशासन' : किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)